समकालीन मैथिली कविता की चुनौती पर परिचर्चा

मधुबनी । साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के तत्वावधान में वेबलाइन साहित्य श्रृंखला के अंतर्गत मैथिली परिचर्चा आयोजित की गई जिसमें जिले के तीन नामचीन साहित्यकार हितनाथ झा, विद्यानंद झा और.अजित आज़ाद ने शामिल हुए। परिचर्चा का विषय था, मैथिली कविताक समकालीन चुनौती। परिचर्चा का संचालन साहित्य अकादमी में उप सचिव सुरेश बाबू ने किया। कोरोनाकाल में अकादमी का यह प्रयास सराहनीय है जिसमे वक्ताओं को वेब माध्यम से जोड़कर मुद्दा आधारित कार्यक्रम किया जा रहा है। कवि विद्यानंद झा ने आरंभिक वक्तव्य देते हुए कहा कि लेखकों को आज पाठकों तक पहुँचने की जरूरत है। विश्व साहित्य के स्तर का लेखन और उसका प्रसार आवश्यक है। युवा कवि अजित आज़ाद ने बताया कि आज के अधिसंख्य कवि लोक से जुड़ने की बजाय लोकप्रियता से जुड़ना चाहते हैं। यह एक खतरनाक स्थिति है। कवि हितनाथ झा ने विभिन्न बिंदुओं के हवाले से आज की मुख्य समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया।